



मध्य
60

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक: 12016 निगरानी

निगा-3527-26

पारस सिंह पुत्र कृमाल सिंह जाट,
निवासी ग्राम भुरबाड़ा, तेहसील करछल,
जिला श्यापुर-म०प्र०।

----- प्रार्थी

बिराध्वद

- १- मध्यप्रदेश शासन
- २- अकार पुत्र काहया जाटव,
निवासीगण ग्राम पहेला, तेहसील करछल,
जिला श्यापुर-म०प्र०।
- ३- मुस० सुयो वेवा पु चुन्नी जाटव,
निवासी पहेला, तेहसील करछल जिला श्यापुर
मध्यप्रदेश।

ई
दन
त्र
ता।

----- प्रतिप्रार्थीगण

निगरानी बिराध्वद आदेश अपर कलेक्टर महोदय श्यापुर दिनांक ७-६-१६
अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, १९५६। प्र०क्र० ४१५-१६
स्वेव निगरानी।

ताजी
आशा

श्रीमान जी,

निगरानी का आवेदन पत्र निम्न आधारों पर प्रस्तुत है:-

- १- यह कि, अपर कलेक्टर महोदय की आशा कानूनन सही नहीं है। निवेदन
- २- यह कि, अपर कलेक्टर महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी कर,
स्थिति को सही नहीं समझा है। न किये
- ३- यह कि, अपर कलेक्टर महोदय के न्यायालय में प्रार्थी को सुनवाई का स्मृचित अवसर नहीं दिया गया है। प्रार्थी को सुनवाई का अवसर स्माप्त करने संबंधी आदेश प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों के विपरीत होने से निरस्ती योग्य है।
- ४- यह कि, मात्र प्रतिवेदन को आधार मानकर पारित विवादित आदेश निरस्ती योग्य है।

दिनांक 6-10-16 का
श्री अरुण के अग्रज
मार्ग. द्वारा अनुसू.
6.10.16
80

2033031
६/१०/१६

for
2/10/16

201
06.10.16

M

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 3527-एक/2016 जिला-श्यापुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाक्तों आदि के हस्ताक्षर
7.2.19	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री एस० के० अवस्थी उपस्थित। आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने तथा प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन किया। अध्ययन से प्रतीत होता है कि इस न्यायालय में आवेदक अधिवक्ता द्वारा अपर कलेक्टर जिला श्यापुर के प्रकरण क्रमांक 04/स्व० निगरानी/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 07/09/16 के विरुद्ध म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 में वर्ष 2018 में किये गये संशोधन प्रभावी दिनांक 25.9.18 के अनुसार संहिता की धारा 50 (2) इस प्रकार है:-</p> <p>धारा-50 (2) पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन-</p> <p>(ख) इस संहिता के अधीन प्रथम निगरानी में पारित किसी अंतिम आदेश के विरुद्ध ग्रहण नहीं किया जावेगा।</p> <p>3-परिणामस्वरूप इस न्यायालय में संचालित नही होने के कारण प्रकरण अपर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना के न्यायालय में स्थानांतरण किया जाता है तथा पक्षकार दिनांक 15/04/19 को उपस्थित हों।</p> <p>पेशी दिनांक 15/4/19</p> <p><u>अपर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना</u></p>	